भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न सं. *20
सोमवार, 04 दिसम्बर, 2023/13 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु योजनाएं

***20. श्री सुमेधानन्द सरस्वती**:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ग्रामीण पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक है;

(ख) क्या देश में राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन बाजार की प्रबल संभावनाएं हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार लाने हेतु कोई योजना बना रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

श्री सुमेधानंद सरस्वती द्वारा राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु योजनाओं के संबंध में दिनांक 04.12.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. *20 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

(क) : जी हां, ग्रामीण पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहा है ।

(ख): जी हां, राजस्थान की विरासत, परंपराओं, जीवंत तथा विविध संस्कृति, शिल्प, धार्मिक पद्धतियों, मेलों और महोत्सवों को देखते हुए राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन बाजार की प्रबल संभावनाएं हैं ।

(ग) और (घ): देश में ग्रामीण पर्यटन की क्षमता को पहचानते हुए पर्यटन मंत्रालय ने 'भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति तथा रोडमैप – आत्मनिर्भर भारत की दिशाा में एक पहल' नामक दस्तावेज तैयार किया है । यह कार्यनीतिक दस्तावेज निम्नलिखित प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित है:-

(i) ग्रामीण पर्यटन के लिए आदर्श नीतियां तथा सर्वोत्तम कार्य पद्धतियां
(ii) ग्रामीण पर्यटन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियां और प्लेटफॉर्म
(iii) ग्रामीण पर्यटन के लिए क्लस्टर का विकास
(iv) ग्रामीण पर्यटन के लिए मार्केटिंग सहायता
(v) हितधारकों का क्षमता निर्माण
(vi) शासन तथा संस्थागत कार्यढांचा

2. उपरोक्त के अतिरिक्त राजस्थान की राज्य सरकार ने यह सूचित किया है कि उन्होंने ग्रामीण कृषि एवं रिहायशी/आबादी भूमि पर विभिन्न प्रकार की पर्यटन इकाइयों की स्थापना के लिए नवम्बर, 2022 में राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना, 2022 की शुरूआत की है । इस योजना की प्रमुख विशेषताएं निम्नानुसार हैं :

(i) ग्रामीण पर्यटन इकाइयों में कृषि भूमि पर कृषि पर्यटन इकाइयां, कारवां पार्क, कैंपेन साइट और रिहायशी/आबादी भूमि पर अतिथि गृह शाामिल हैं ।
(ii) भूमि के उपयोग में कोई परिवर्तन किए बिना कृषि भूमि पर ग्रामीण पर्यटन इकाइयों की स्थापना की जा सकती है ।
(iii) कृषि तथा अन्य संबंधित कार्यकलापों से संबंधित इकाइयों के लिए इस योजना के अंतर्गत 10% ग्राउंड कवरेज और जी+1 संरचना की अनुमति दी गई है ।
(iv) स्वीकार्य लाभ; स्टाम्प ड्यूटी में छूट, 10 वर्ष के लिए एसजीएसटी की 100% प्रतिपूर्ति और रियायती ऋण (9% की ब्याज सब्सिडी तक) ।
(v) राज्य के विभिन्न जिलों में अब तक 56 ग्रामीण पर्यटन इकाइयों की स्थापना की गई है ।

3. पर्यटन मंत्रालय ने अपनी प्रशाद योजना के अंतर्गत राजस्थान राज्य में निम्नलिखित परियोजना को स्वीकृति दी है :

(करोड़ रु. में)

परियोजना का नाम	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**	**निर्मुक्त राशि**	**भौतिक प्रगति**
पुष्कर/अजमेर का एकीकृत	2015-16	32.64	26.11	92%

विकास				

उपरोक्त के अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में राजस्थान राज्य में मेलों और महोत्सवों तथा समारोहों के आयोजन के लिए 40.00 लाख रु. की केंद्रीय वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी है ।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत ग्रामीण परिपथ को विभिन्न थीमैटिक परिपथों में से एक के रूप में भी चिह्नित किया है । इस योजना के ग्रामीण परिपथ के तहत राजस्थान की राज्य सरकार को किसी परियोजना की स्वीकृति नहीं दी गई है तथापि मंत्रालय ने राजस्थान की राज्य सरकार को अन्य परिपथों के तहत चार परियोजनाओं की स्वीकृति दी है । इन परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है ।

*****

अनुबंध

श्री सुमेधानंद सरस्वती द्वारा राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु योजनाओं के संबंध में दिनांक 04.12.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. *20 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के तहत राजस्थान राज्य सरकार को स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	परिपथ एवं स्वीकृति वर्ष	परियोजना	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि	उपयोग की गई राशि	स्थिति	क्रियान्वयन एजेंसी
1.	मरूस्थल परिपथ 2015-16	सांभर झील शहर और अन्य स्थलों का विकास	50.01	50.01	55.89	पूर्ण	राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी)
2.	कृष्ण परिपथ 2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटू श्याम जी (सीकर) एवं नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	75.80	72.01	77.49	पूर्ण	राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी)
3.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	आध्यात्मिक परिपथ का विकास- 'चूरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बांधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कामां क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05	72.23	75.03	पूर्ण	राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी)
4.	विरासत परिपथ 2017-18	विरासत परिपथ का विकास राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले में अग्रभाग रोशनी) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेडी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केन्द्र) - धौलपुर (बाग-ए-नीलोफर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास	70.61	66.99	67.04	पूर्ण	राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी)

*****